

|  |               |       |  |   |
|--|---------------|-------|--|---|
|  | द्वितीय<br>म् | DSCC3 | <p><b>अनुमानम्</b></p> <p>I. विशिष्टपरामर्शः पक्षता च</p> <p>II. पूर्वपक्षव्याप्तिः</p> <p>III. सिद्धान्तव्याप्तिः</p> <p>IV. हेत्वाभासः</p> <p><b>आधारग्रन्थः</b></p> <p>I. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली</p> <p><b>सहायकग्रन्थः</b></p> <p>I. किरणावली (कृष्णवल्लभाचार्यविरचिता मुक्तावलीटीका)</p> <p>II. दिनकरी</p>   | 4 |
|  |               | DSCC4 | <p><b>उपमानम् शब्दश्च</b></p> <p>I. उपमानस्य निरूपणम्, शक्तिग्राहकाणि च</p> <p>II. संख्याभिधानयोग्यत्वं जातिशक्तिवादनिराकरणञ्च</p> <p>III. पदचातुर्विध्यम्, लक्षणा, समासेषु वाक्ये च पदवृत्त्यैव बोधनिर्वाहश्च</p> <p>IV. आसत्तियोग्यताऽऽकाङ्क्षातात्पर्यज्ञानानां कारणताविचारः</p> <p><b>आधारग्रन्थः</b></p> <p>I. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली</p> <p><b>सहायकग्रन्थः</b></p> <p>I. किरणावली दिनकरी च</p> | 4 |

|  |  |       |   |   |
|--|--|-------|---|---|
|  |  | DSCC5 | <p><b>गुणनिरूपणम्</b></p> <p>I. गुणलक्षणम्, गुणानां साधर्म्यम् , रूपरसगन्धस्पर्शाः</p> <p>II. पाकप्रक्रिया,<br/>संख्यापरिमाणपृथक्त्वसंयोगविभागपरत्वापरत्वनिरूपणम् , बुद्धिनिरूपणम् , प्रामाण्यपरतस्त्वम्</p> <p>III. अन्यथाख्यातिः, व्यासिग्रहोपायः, उपाधिः, शब्दोपमानयोः पृथक्प्रामाण्यं व्यतिरेकव्याप्तिश्च</p> <p>IV. अर्थापत्तेः प्रमाणान्तरत्वनिरासः, सुखदुःखेच्छाद्वेषप्रयत्नाः, विधिवादः, गुरुत्वस्थितिस्थापकाऽदृष्टशब्दाश्च</p> <p><b>आधारग्रन्थः</b></p> <p>I. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली</p> <p><b>सहायकग्रन्थः</b></p> <p>I. किरणावली, दिनकरी च</p> | 4 |
|--|--|-------|---|---|